दैनिक भास्कर
जोधपुर 08-08-2024

21 जोधपुराइट्स को मिली 80 लाख की ग्रांट, नई स्टार्टअप पॉलिसी के बाद में दूसरी ग्रांट अलॉट

# युवाओं के टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर व एग्रो सेक्टर के यूनिक स्टार्टअप आइडिया को मिली ग्रांट

एजुकेशन रिपोर्टर. जोधपुर.

युवाओं के आर्टिफिशियल टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर और एग्रो सेक्टर के यूनिक स्टार्टअप आइडिया को सरकार ने करीब 80 लाख रु. की ग्रांट आवंटित की है।

सरकार के स्टार्टअप को बढ़ावा देने के विजन से लागू नई स्टार्टअप पॉलिसी में जोधपुर के 21 युवाओं सहित प्रदेशभर में 155 स्टार्टअप को 6 करोड़ रुपयों से अधिक की ग्रांट मिली है। सरकार के कई मापदंडों पर स्टार्टअप को परखने के बाद में ग्रांट आवंटित की गई है। सरकार की नई स्टार्ट इस ग्रांट से युवा खुद के यूनिक स्टार्टअप को बेहतर तरीके से डवलप कर पाएंगे। इस साल में पहली ग्रांट आवंटित हो पाई है।

## स्टार्टअप आइडिया को परखने के बाद ग्रांट

सरकार की नई स्टार्टअप पॉलिसी के तहत आइडिएशन और वायबिलिटी, दो प्रकार की ग्रांट का आवंटन किया जाता है। इसमें आइडिएशन ग्रांट 2.40 लाख रुपए की आवंटित होती है। वहीं बायबिलिटी की ग्रांट 60 लाख रुपए तक की आवंटित होती है। ग्रांट के लिए स्टार्टअप को यूनिक आइडिया डवलप करना होता है। इस आइडिया को डवलप करने के बाद में आईस्टार्ट वेबसाइट पर निर्धारित प्रफॉर्मा में ऑनलाइन प्रपोजल प्रस्तुत करने होते हैं। इसके बाद एक्सपर्ट कमेटी स्टार्टअप आइडिया को मापदंडों पर परखने के बाद में स्टार्टअप ग्रांट की सिफारिश करती है।

## टेक्नोलॉजी, हेल्थ व योगा के स्टार्टअप को मिली ग्रांट

- **ग्रोसिफाई :** मेघराज सुथार के ग्रोसिफाई स्टार्टअप एक SaaS (सॉफ्टवेयर एज एक सर्विस) प्लेटफॉर्म पर डवफल किया है। जिससे SME को 24 घंटे के भीतर अपने स्वयं के ई-कॉमर्स Android और iOS मोबाइल ऐप के साथ ऑनलाइन जाने में मदद मिल सकती है।
- **ड्यूलाइट :** रोहन सिंघवी का स्टार्टअप ड्यूलाइट एक एआई-संचालित ऑटोमेशन टूल है, जो UI डिजाइन को कोड में परिवर्तित करता है। इससे कंपनियों और डवलपमेंट टीमों को अपनी उत्पादन प्रक्रियाओं को 10 गुना तेज करने में मदद मिलती है।
- **लिविंगनीड्स हेल्थकेयर :** यश वैष्णव के स्टार्टअप लिविंगनीड्स हेल्थकेयर से अस्पतालों में लंबे समय तक प्रतीक्षा करने की समस्या को दूर करने के लिए एक एकीकृत प्रणाली बनाई गई है।
- **स्पोर्टिवस :** शिवनारायण गौड़ ने स्पोर्टिवस में कई मोशन सेंसर और पूर्वनिर्धारित प्रशिक्षण मोड का उपयोग करके स्वचालित प्रशिक्षण और कसरत सत्रों के माध्यम से ग्रामीण खेलों को बढ़ाने का एक नया तरीका पेश किया है।
- **स्ट्रीमवे :** 24 वर्षीय रामजीवन जांगिड़ ने स्ट्रीमवे स्टार्टअप में इंटरनेट पर 80% से अधिक डेटा वीडियो या ऑडियो स्ट्रीमिंग पर खर्च किया जाता है। स्ट्रीमवे मीडिया और प्रसारण उद्योग में स्केलेबल वीडियो एपीआई के माध्यम से प्रौद्योगिकी और सेवाएं प्रदान करता है।

*युवाओं में अब स्टार्टअप को लेकर काफी रुझान नजर आ रहा है। अधिकतर स्टार्टअप टेक्नोलॉजी पर आधारित आ रहे हैं। केवल 25 से 30 प्रतिशत तक ही अन्य स्टार्टअप आइडिया आते हैं। आईस्टार्ट की मदद से काफी स्टार्टअप के आइडिया साकार होकर काफी प्रसिद्ध हो चुके हैं। - रौनक सिंघवी, मेंटर, आई-स्टार्ट इंक्युबेशन सेंटर*

## इवनिंग फैकल्टी में बीकॉम के 156 आवेदन आए, 10 तक तिथि बढ़ी

**जोधपुर** | जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के सायंकालीन अध्ययन संस्थान में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए बी.कॉम. (प्रथम सेमेस्टर) में अब तक 480 सीटों के मुकाबले केवल 156 आवेदन ही आए हैं। ऐसे में करीब 254 रिक्त सीटों को भरने के लिए एक बार फिर से ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ाई गई है। अब स्टूडेंट्स 10 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर पाएंगे।

## जेएनवीयू: यूजी एडमिशन फीस जमा करवाने की तिथि 10 तक

**जोधपुर** | जेएनवीयू के शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातक प्रथम सेमेस्टर के लिए जारी द्वितीय वरीयता सूची के दस्तावेज सत्यापन करने व विलंब शुल्क के साथ प्रवेश शुल्क जमा कराने की तिथि 10 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। जिन विद्यार्थियों का नाम द्वितीय वरीयता सूची में आया है, मगर दस्तावेज सत्यापन व शुल्क जमा नहीं करवा पाएं हैं। अब 10 अगस्त दस्तावेज सत्यापन व फीस जमा करवा सकेंगे।

## चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड एग्जाम 13 से, एडमिट कार्ड जारी

**जोधपुर** | जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर एवं संबद्ध सभी महाविद्यालयों वर्ष 2024 के बीए बीएड द्वितीय एवं चतुर्थ वर्ष की परीक्षाएं 13 अगस्त से शुरू होगी। इसी तरह से बीए बीएड व बीएससी बीएड प्रथम वर्ष, बीए बीएड तृतीय वर्ष की परीक्षाएं 14 अगस्त से बीएससी बीएड द्वितीय एवं चतुर्थ वर्ष की परीक्षाएं 21 अगस्त से होगी। बीएससी तृतीय वर्ष की परीक्षा 28 अगस्त से शुरू होगी।

# साथी पोर्टल पर टॉप एक्सपर्ट्स JEE, नीट व अन्य कोचिंग फ्री करवाएंगे

**जोधपुर** | सरकार ने स्टूडेंट्स को मेडिकल, इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नई पहल की है। इसके लिए साथी (सेल्फ असेसमेंट, टेस्ट एंड हेल्प ऑफ एंट्रेंस एग्जाम) पोर्टल तैयार करवाया है। इस पोर्टल पर स्टूडेंट्स को आईआईटी, एम्स सहित देश के टॉप एक्सपर्ट्स जेईई, नीट से लेकर अधिकांश प्रतियोगी परीक्षाओं की फ्री कोचिंग करवाएंगे। वेब पोर्टल के साथ ही मोबाइल एप, यू-ट्यूब, डीटीएच चैनल आदि के जरिए भी उपलब्ध करा रही है। 8 टीवी चैनल पर भी बहुभाषाओं में किया जाएगा। इससे दूरदराज के क्षेत्रों के स्टूडेंट्स के लिए भी उच्चस्तरीय कोचिंग संभव हो पाएगी। वहीं दूसरी तरफ प्राइवेट कोचिंग संस्थानों की मनमानी पर भी काफी हद तक नकेल कसी जाएगी।

**पढ़ाने के लिए एक्सपर्ट मदद भी करेंगे :** साथी पोर्टल पर कोई भी स्टूडेंट फ्री में सामान्य स्टेप्स पूरे कर रजिस्ट्रेशन करवा सकेगा। इसके बाद में उसे ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा मिल पाएगी। आईआईटी, आईआईएम और एम्स के प्रोफेसर न सिर्फ पढ़ाएंगे, बल्कि वह उनकी मदद के लिए ऑनलाइन उपलब्ध भी रहेंगे। प्लेटफार्म पर दस हजार से अधिक घंटों की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। छह सौ से अधिक मेंटर जोड़े गए हैं। डेढ़ लाख छात्र रजिस्टर्ड हो चुके हैं।

**पहले चरण में दर्जन भर परीक्षाओं पर फोकस :** सरकार ने पहले चरण में जेईई मेन, जेईई-एडवांस, नीट-यूजी और केंद्रीय सेवाओं के ग्रेड-2 व ग्रेड- 3 श्रेणी के कर्मचारियों के चयन के लिए आयोजित एसएससी एग्जाम की निशुल्क ऑनलाइन कोचिंग शुरू की है।

स्टूडेंट्स आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर पाएंगे

# नीट-यूजी: NRI-स्टेट्स के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

## 10 अगस्त अंतिम तिथि

**जोधपुर** | मेडिकल काउंसलिंग कमेटी-एमसीसी,नई दिल्ली ने नीट-यूजी 2024 क्वालिफाइड स्टूडेंट्स के नेशनालिटी परिवर्तित कर एनआरआई-स्टेटस प्राप्त करने की आवेदन की प्रक्रिया बुधवार को शुरू कर दी गई है। एमसीसी-नई दिल्ली की ऑफिशियल वेबसाइट पर ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है।

एनआरआई-स्टेटस प्राप्त करने के इच्छुक इंडियन-नेशनलिटी के स्टूडेंट्स अपनी कैटेगरी परिवर्तित कर एनआरआई-स्टेटस प्राप्त करने के लिए आगामी 10 अगस्त प्रातः 10-बजे तक आवेदन कर सकते हैं। स्टूडेंट्स को वेबसाइट पर निर्धारित प्रफोर्मा में आवेदन-पत्र, सभी आवश्यक मूल-दस्तावेजों के साथ मेडिकल काउंसलिंग कमेटी-एमसीसी, नई दिल्ली को ug.nri.mcc@gmail.com पर ईमेल करना होगा। समय सीमा से पहले तथा बाद में किए गए ई-मेल आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

**एनआरआई-स्पॉन्सरर के दस्तावेज देने होंगे :** सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशानुसार एनआरआई-स्टेटस के लिए आवेदन कर रहे पात्र-विद्यार्थियों को एनआरआई-स्पॉन्सरर की संपूर्ण जानकारी मय पासपोर्ट,वीजा तथा एंबेसी-सर्टिफिकेट के साथ ईमेल करनी होगी। एजुकेशन एक्सपर्ट देव शर्मा ने बताया कि एनआरआई-स्पॉन्सरर को संपूर्ण एमबीबीएस कोर्स-फीस डिपॉजिट करने का एफिडेविट भी देना होगा, जो कि विद्यार्थी द्वारा एनआरआई-कैटेगरी के ई-मेल आवेदन के साथ प्रस्तुत करना होगा। विशेष ध्यान रखने योग्य बात है कि सभी आवश्यक दस्तावेज एक ही ईमेल आवेदन के साथ अटैच करने होंगे।

7,951 पदों पर भर्ती के लिए 29 तक कर सकेंगे आवेदन

# रेलवे भर्ती: अपात्र होने के बावजूद फॉर्म भरने पर आजीवन होंगे बैन

**जोधपुर** | रेलवे भर्ती बोर्ड में जेई, सीएमए, सीएसआर, डीएमएस के अजमेर जोन में 529 सहित देश के 21 जोन में 7951 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 29 अगस्त तक भरे जा सकेंगे। अभ्यर्थियों को गलतियों को सुधारने के लिए 30 अगस्त से 8 सितंबर तक मौका दिया जाएगा। इस बार रेलवे ने चेतावनी दी है कि अभ्यर्थियों ने अगर पात्र या योग्य नहीं होने के बावजूद आवेदन भरने और अयोग्य होने पर भी एक से अधिक पदों पर आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों पर सख्ती की गई है। ऐसे अभ्यर्थियों के आवेदन निरस्त करने के साथ रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड और रेलवे रिक्रूटमेंट सेल से आगामी भर्ती परीक्षाओं के लिए बैन लगा दिया जाएगा। अभ्यर्थी ने आवेदन में खराब फोटो, ग्रुप फोटो, फुल बॉडी व्यू, साइड व्यू, फोटो कॉपी फोटोग्राफ आदि उपयोग किया तो भी आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा।

**21 जोन के लिए भर्ती:** अभ्यर्थी जिन पदों के लिए पात्र पूरी करते हैं, उन सभी पदों के लिए अलग-अलग आवेदन कर सकते हैं। रेलवे भर्ती बोर्ड जूनियर इंजीनियर (जेई), कैमिकल एंड मेटलर्जिकल असिस्टेंट (सीएमए), कैमिकल सुपरवाइजर रिसर्च (सीएसआर), डिपो मटेरियल सुपरिंटेंडेंट (डीएमएस) के पदों पर भर्ती करेगा। यह भर्ती अजमेर जोन, अहमदाबाद, कोलकाता, मुंबई सहित देश के 21 रेलवे जोन के लिए होगी।

## शिक्षा विभाग: 85 अभ्यर्थियों को अनुकंपा नियुक्ति के आदेश

**जोधपुर** | शिक्षा विभाग में 85 मृत राज्य कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति दी गई है। अनुकंपा नियुक्ति के आवेदनों का परीक्षण करने के बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से आदेश जारी किए गए हैं। जिसमें मृत राज्य कर्मचारियों के 69 आश्रितों को कनिष्ठ सहायक और 16 को सहायक कर्मचारी के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति के लिए जिला आवंटन किया गया है। अब जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी इनके दस्तावेजों की जांच कर इनको स्कूलों में रिक्त पदों पर पोस्टिंग देंगे।

# मेडल पर 100 ग्राम भारी

## विनेश फोगाट अयोग्य घोषित, ओलंपिक से बाहर हुईं

### फैसले के बाद विनेश की तबीयत बिगड़ी

### अस्पताल में भर्ती

**एजेंसी/पेरिस।** पेरिस ओलंपिक में बुधवार को महिलाओं की 50 किग्रा की स्पर्धा से भारतीय पहलवान विनेश फोगाट का वजन 100 ग्राम अधिक पाए जाने पर उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया है। आधिकारिक बयान में बताया गया कि बुधवार सुबह विनेश का वजन कुछ ग्राम अधिक पाया गया और यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग नियम के तहत उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। इस खबर के बाद विनेश फोगाट की तबीयत बिगड़ गई है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भारतीय ओलंपिक संघ ने बयान में कहा कि रात भर टीम द्वारा किए गए बेहतरीन प्रयासों के बावजूद, आज सुबह उनका वजन 50 किग्रा से 100 ग्राम अधिक था।

इस समय दल द्वारा कोई और टिप्पणी नहीं की जाएगी। भारतीय दल आपसे विनेश की निजता का सम्मान करने का अनुरोध करता है। वह मौजूदा प्रतियोगिताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहेगा। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को विनेश फोगाट ने लगातार तीन मुकाबलों मे जीत दर्ज करते हुए महिलाओं की 50 किग्रा स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई थी।

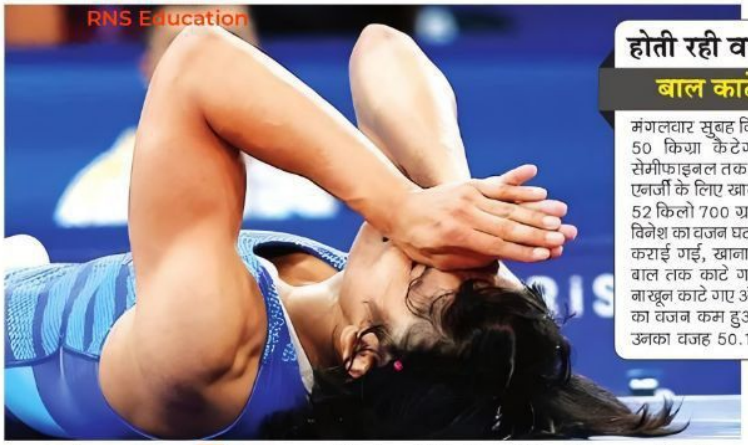


### होती रही वजन घटाने की कोशिश

#### बाल काटे, कपड़े छोटे किए

मंगलवार सुबह विनेश का वजन 49.90 किग्रा था। जो 50 किग्रा कैटेगरी में खेलने के लिए सही था। सेमीफाइनल तक 3 मैच खेलने के बाद उन्हें प्रोटीन और एनर्जी के लिए खाना खिलाया गया, जिससे उनका वजन 52 किलो 700 ग्राम हो गया। मेडिकल टीम ने रात भर विनेश का वजन घटाने की कोशिश की। उनसे एक्सरसाइज कराई गई, खाना नहीं दिया, पानी भी नहीं पीने दिया, बाल तक काटे गए। फिर भी वजन कम नहीं हुआ तो नाखून काटे गए और छोटे कपड़े तक पहनाए गए। विनेश का वजन कम हुआ, लेकिन इतनी कोशिशों के बावजूद उनका वजह 50.100 किग्रा पर अटक गया।

### विनेश, आप चैंपियनों में चैंपियन हैं: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि विनेश, आप चैंपियनो मे चैंपियन है ! आप भारत का गौरव है और प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा है। आज का झटका दुखदाई है। काश शब्द उस निराशा की भावना को व्यक्त कर पाते जो मैं अनुभव कर रहा हूं। साथ ही, मैं जानता हूं कि आप जुझारूपन का प्रतीक है। चुनौतियों का डटकर मुकाबला करना हमेशा से आपका स्वभाव रहा है। मजबूत होकर वापस आइए ! हम सब आपके साथ है।

### क्या है वजन मापने का नियम

ओलिंपिक रेसलिंग में वेट मापने के नियम के अनुसार पहलवानों का मैच से पहले वजन होता है और अगर रेसलर दो दिन बाउट लड़ते हैं तो दो दिन उनका वजन किया जाता है। जिस दिन बाउट होता है, उसी दिन हर पहलवान का वजन सुबह होता है। हर वेट कैटेगरी के लिए टूर्नामेंट 2 दिन ही चलता है। इसलिए जो भी पहलवान फाइनल में पहुंचते हैं, उनका दोनों दिन वजन होता है। पहले वेट-इन के दौरान पहलवानों के पास वेट बताने के लिए 30 मिनट का समय होता है। इस 30 मिनट में कई बार वजन कर सकते हैं, लेकिन दूसरे दिन वेट-इन सिर्फ 15 मिनट का होता है। वजन करने के दौरान पहलवान को सिर्फ बाउट के दौरान पहने जाने वाला कॉस्ट्यूम पहनने की इजाजत होती है।

## संसद में सुनाई दी विनेश को डिस्क्वालिफाई करने की गूंज

**ब्यूरो/नवज्योति/नई दिल्ली।** पेरिस ओलंपिक से रेसलर विनेश फोगाट के अयोग्य होने के मुद्दे की गूंज संसद में भी सुनाई पड़ी। खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने लोकसभा में बताया कि भारत ने इस मामले को लेकर अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ से कड़ा विरोध जताया है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय ओलंपिक संघ की प्रमुख पी टी उषा से बात करके इस मामले में उचित कार्रवाई के लिए कहा है। हालांकि मनसुख मंडाविया जब विनेश फोगाट को सरकार की तरफ से वित्तीय सहायता देने की जानकारी दे रहे थे, उस समय विपक्षी सांसदों ने खड़े होकर विरोध करना शुरू कर दिया। विपक्षी सांसद विनेश फोगाट के साथ पहले किए गए व्यवहार को लेकर नारेबाजी करने लगे। विपक्षी बेंच की तरफ से इस मामले में राजग सरकार पर ठोस कदम नहीं उठाने का आरोप भी लगाया गया, लेकिन ए नियमों का हवाला देते हुए लोकसभा स्पीकर ने बोलने का मौका नहीं दिया।

खेल मंत्री के बयान से असंतुष्ट कांग्रेस, टीएमसी और सपा सहित अन्य कई विपक्षी दलों के सांसदों ने लोकसभा से वॉकआउट कर दिया।

दैनिक भास्कर
अजमेर 08-08-2024

# युवा - शिक्षा - अवसर



**नवाचार** • अभी आरपीएससी और शेखावाटी यूनिवर्सिटी कॉपियां डिजिटल तरीके से ही जांच रहे

## एमडीएसयू में अब डिजिटल तरीके से जांचेंगे कॉपियां, गलतियां कम, परिणाम भी जल्दी

एजुकेशन रिपोर्टर | अजमेर

**कॉपियां स्कैन कर भेजेंगे, वीक्षक चेक कर विशेष सॉफ्टवेयर की मदद से अंक चढ़ाएंगे**

एमडीएस यूनिवर्सिटी की उत्तर पुस्तिकाएं डिजिटल तरीके से जांची जाएंगी। आरपीएससी और शेखावटी यूनिवर्सिटी सीकर की तर्ज पर इसे अपनाने की तैयारी कर ली गई है। पहले इसे प्रायोगिक तरीके से आजमाया जाएगा इसके परिणाम सही आने पर और फीड बैक के आधार पर इसे स्थायी तौर पर लागू कर दिया जाएगा। इससे परिणाम आने में भी देरी नहीं होगी और तीन लाख से ज्यादा विद्यार्थियों को भी राहत मिलेगी। एमडीएसयू प्रशासन के इस प्रस्ताव को एकेडमिक काउंसिल में मंजूरी मिल चुकी है अब 13 अगस्त को होने वाली बॉम में इस पर सहमति मिलते ही इसे प्रायोगिक तौर पर शुरू कर दिया जाएगा।

अभी तक उत्तर पुस्तिकाएं वीक्षक को फिजिकली भेजी जाती थी। वह अपने स्तर पर कॉपियों को जांच कर उसी में नंबर लिखकर कॉपियां वापस कर देते थे। इसके बाद यह नंबर टीआर शीट और फिर कंप्यूटर पर चढ़ाएं जाते थे, जिसके आधार पर मार्कशीट तैयार की जाती थी। डिजिटल इवेल्यूएशन में उत्तर पुस्तिकाएं स्कैन करके ऑन लाइन भेजी जाएंगी। वीक्षक एक विशेष सॉफ्टवेयर के जरिये यूनिवर्सिटी से जुड़ेंगे और ऑनलाइन कॉपी चेक करके सॉफ्टवेयर की मदद से ही नंबर चढ़ा देंगे। इसे लागू करने के लिए पीलॅ परिणाम सही समय पर जारी करना बताया जा रहा है।

फिजिकल तौर पर जांच में लगने वाले समय में भी कटौती होगी और कॉपियों के जांचने का काम जल्द हो जाएगा। इससे परिणाम भी जल्द आने की संभावनाएं बनेगी। शेखावाटी यूनिवर्सिटी प्रशासन डिजिटल इवेल्यूएशन ही कराता है। आरपीएससी की भी सभी कॉपियां डिजिटल तरीके से ही चेक की जाती है। इससे गलतियां होने की संभावनाएं भी कम हो जाती है। परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर सुब्रतो दत्ता के मुताबिक इसे अभी प्रायोगिक तौर पर ही परखा जाएगा। इसके बाद परिणाम सही होने पर इसे पूरी तरह से लागू कर दिया जाएगा। एसी की बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा की गई थी।

### 339 कॉलेजों के तीन लाख छात्रों को राहत मिलेगी

एमडीएसयू से संबद्ध लगभग 339 कॉलेज हैं। यह कॉलेज अजमेर के अलावा टोंक, भीलवाड़ा और नागौर जिले के हैं। इन कॉलेजों में 3 लाख से ज्यादा विद्यार्थी हैं। डिजिटल इवेल्यूशन शुरू होने से इन तीन लाख विद्यार्थियों को भी राहत मिलेगी। चूंकि एनईपी 2020 के तहत रिवेल्यूएशन की सुविधा खत्म हो गई है, ऐसे में डिजिटल तरीके से कॉपियां चेक होने से गलतियों की संभावनाएं नहीं रहेंगी। इसका फायदा विद्यार्थियों को बैक परीक्षा नहीं होने के रूप में भी मिल सकता है।

**आरपीएससी:** 1162 पदों की परीक्षाओं का कैलेंडर जारी

## अक्टूबर 2025 तक 6 भर्ती परीक्षाओं की तारीखें तय की

अजमेर| आरपीएससी अगस्त 2025 से अक्टूबर 2025 तक 6 परीक्षाएं कराएगी। आयोग ने तारीखें जारी कर दी है। यह परीक्षाएं 17 अगस्त 2025 से 12 अक्टूबर 2025 तक कराई जाएंगी। सेक्रेटरी रामनिवास मेहता के मुताबिक एनालिस्ट कम प्रोग्रामर/उपनिदेशक प्रतियोगी परीक्षा -2024 17 अगस्त 2025 और भूवैज्ञानिक प्रतियोगी परीक्षा-2024 एवं सहायक खनि अभियंता प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 31 अगस्त 2025 को किया जाना प्रस्तावित है। संरक्षण अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 7 सितंबर 2025 को होगा। सहायक अभियंता संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 28 सितंबर 2025 को किया जाएगा। सहायक सांख्यिकी अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 12 अक्टूबर 2025 को किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि इन परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम बाद में जारी किया जाएगा।

### राज्य सरकार ने इस साल आयोग को ये 6 भर्तियां भेजीं

| परीक्षा | पद |
|---|---|
| एनालिस्ट कम प्रोग्रामर/उपनिदेशक प्रतियोगी परीक्षा | 45 |
| भूवैज्ञानिक परीक्षा और सहायक खनि अभियंता प्रतियोगी परीक्षा | 24 |
| संरक्षण अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा | 04 |
| सहायक अभियंता संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगी परीक्षा | 1014 |
| सहायक सांख्यिकी अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा | 43 |
| कुल: 6 परीक्षाएं | 1162 |

## इंजीनियरिंग कॉलेज: अदर स्टेट कोटे में 21 को प्रवेश

काउंसलिंग शुरू, 10 अगस्त तक रिपोर्टिंग

एजुकेशन रिपोर्टर | अजमेर

इंजीनियरिंग कॉलेजों में अदर स्टेट कोटे के तहत अलॉट किए गए विद्यार्थियों की काउंसलिंग बुधवार को शुरू हो गई। शहर के बड़लिया स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में पहले दिन 15 विद्यार्थियों और मखुपुरा स्थित महिला इंजीनियरिंग कॉलेज में 6 छात्राओं ने रिपोर्टिंग दी। इन सभी को प्रवेश दे दिया गया है। प्राचार्य डॉ. रेखा मेहरा ने बताया कि पहले दिन यूपी, मप्र और कश्मीर के 15 विद्यार्थी रिपोर्टिंग के लिए पहुंचे। दस्तावेज जांच के बाद इन सभी को विभिन्न ब्रांचेज में प्रवेश दे दिया गया है। माखुपुरा स्थित महिला इंजीनियरिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. प्रकृति त्रिवेदी ने बताया कि बुधवार को रिपोर्टिंग का पहला दिन था। एक्स सर्विसमेन, कश्मीरी माइग्रेट, दिव्यांग श्रेणी के अलावा सामान्य श्रेणी की यूपी, हरियाणा की 6 छात्राएं पहुंची। सभी को प्रवेश दे दिया गया। रिपोर्टिंग की आखिरी तारीख 10 अगस्त है। इन छात्राओं को अपवर्ड मूवमेंट का मौका 10 अगस्त तक मिलेगा। जिसकी रिपोर्टिंग की आखिरी तारीख 14 अगस्त है। इसके बाद राजस्थान मूल की छात्राओं की सूची 16 अगस्त को जारी होगी। जिनकी रिपोर्टिंग 22 अगस्त तक होगी।

**आरबीएसई:** पिछले साल 56 हजार 131 पंजीकृत थे, इस बार 38 हजार में शामिल होंगे

## 10वीं व 12वीं की पूरक परीक्षा में पिछले साल की तुलना में इस बार 18 हजार परीक्षार्थी घटे

अजमेर | राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की पूरक परीक्षाओं में पिछले साल की तुलना में इस बार करीब 18 हजार स्टूडेंट्स कम बैठेंगे। पिछले साल 10वीं व 12वीं तथा समकक्ष कक्षाओं की पूरक परीक्षा में 56 हजार से अधिक स्टूडेंट्स बैठे थे। इस बार यह संख्या 28 हजार के आसपास ही रह गई है। पूरक परीक्षाएं 12 अगस्त से शुरू होने वाली हैं। बोर्ड प्रदेश के 50 जिलों में इस बार 167 परीक्षा केंद्रों पर पूरक परीक्षा लेगा। बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार इस बार कुल 38 हजार 152 स्टूडेंट्स पूरक परीक्षा के लिए पंजीकृत किए गए हैं। इनमें कक्षा 12वीं व वरिष्ठ उपाध्याय के लिए 7685 तथा 10वीं व प्रवेशिका के लिए 30 हजार 467 स्टूडेंट्स हैं। बोर्ड इसी हिसाब से तैयारी कर रहा है। बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल 56,131 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड हुए थे। इनमें सर्वाधिक 31,266 10वीं पूरक परीक्षा के थे। 10वीं विशेष योग्यजन के लिए 48, प्रवेशिका के लिए 419 और 10वीं व्यावसायिक के लिए 3,883 परीक्षार्थी पंजीकृत किए गए।

सामग्री रवाना करते बोर्ड के सचिव कैलाश चंद्र शर्मा व अन्य।

### 12वीं में इस बार सर्वाधिक कम हुए स्टूडेंट्स

एनालिसिस में सामने आता है कि 12वीं कक्षा की पूरक परीक्षा में पिछले साल 20 हजार से अधिक स्टूडेंट्स ने आवेदन किए थे। इस बार यह संख्या 7685 ही है। करीब 12 हजार स्टूडेंट्स कम हुए हैं। 10वीं में भी पिछले साल 32 हजार से अधिक स्टूडेंट्स थे, इस बार यह संख्या 30 हजार 467 रह गई है।

**सेम डे पहुंचेंगी उत्तर पुस्तिकाएं :** बोर्ड ने पूरक परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाएं सेम डे ही अजमेर स्थित केंद्रीय कार्यालय में मंगाने की व्यवस्था की है। 28 संग्रहण व 9 वितरण केन्द्र बनाए हैं।

**परीक्षा सामग्री रवाना :** सप्लीमेंट्री परीक्षा सामग्री बुधवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों को रवाना की गई। बोर्ड सचिव कैलाश चंद्र शर्मा, ओएसडी नीतू यादव आदि अफसरों ने परीक्षा सामग्री रवाना की।

## आज चस्पा करेंगे प्रवेशित विद्यार्थियों की पहली लिस्ट

यूजी प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश प्रक्रिया जारी

अजमेर| प्रदेश के राजकीय कॉलेजों में यूजी फर्स्ट ईयर के सेमेस्टर I में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों की पहली लिस्ट गुरुवार को जारी होगी। जीसीए और जीजीसीए में भी सुबह 10 बजे प्रवेशित विद्यार्थियों की लिस्ट नोटिस बोर्ड पर चस्पा की जाएगी। संभाग के सबसे बड़े कॉलेज एसपीसी जीसीए और जीजीसीए में कई सीटें रिक्त रह गई हैं। एसपीसी जीसीए में बीए ऑनर्स इकोनॉमिक्स में 28, बीए ऑनर्स ज्योग्राफी में 16, बीए ऑनर्स हिस्ट्री में 1, बीए ऑनर्स पॉलिटिकल साइंस में 8, बीकॉम ऑनर्स में 116, बीकॉम पास कोर्स में 370, बीएससी ऑनर्स केमेस्ट्री में 8 और बीएससी मैथ्स में 156 कुल सीटें खाली हैं। इसी तरह जीजीसीए में बीए पास कोर्स में 168, बीकॉम पास कोर्स में 376 और बीएससी मैथ्स में 44 सीटें खाली हैं।

### शिक्षा विभाग में 85 को अनुकंपा नियुक्ति

अजमेर| माध्यमिक शिक्षा निदेशालय बीकानेर ने विभाग में 85 मृत कार्मिकों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति दी है। मृतक आश्रितों के अनुकंपा नियुक्ति के लिए किए गए आवेदनों की जांच के बाद आदेश जारी किए गए हैं। इसमें मृत राज्य कर्मचारियों के 69 आश्रितों को कनिष्ठ सहायक और 16 को सहायक कर्मचारी के पद पर नियुक्ति के लिए जिला आवंटन किया गया है।

दैनिक भास्कर

जोधपुर 08-08-2024

**खेलकूद** • पहला चरण 14 से, 20 से जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं, अंतिम चरण में एथलेटिक्स प्रतियोगिता होगी

# स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता का कैलेंडर जारी, चार चरणों में होंगे स्कूली अंडर-17 और 19 के 34 खेल

स्पोर्ट्स रिपोर्टर | जोधपुर

शिक्षा विभाग ने स्कूली खेलकूद अंडर-17 व 19 छात्र-छात्रा वर्ग की खेलकूद प्रतियोगिताओं का कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके तहत चार चरणों में 34 प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। जिसमें प्रथम चरण में स्कूल स्तर पर 14 अगस्त से पहले होगा। वहीं जिला स्तरीय प्रतियोगिता 20 अगस्त से तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आगाज 7 सितंबर से होगा। इस बार प्रथम समूह में 11, द्वितीय समूह में 10, तृतीय समूह में 11 तथा चतुर्थ समूह में एक प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

निदेशालय माध्यमिक शिक्षा ने 68वीं स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्कूलों के लिए खेलकूद का कैलेंडर जारी किया है। जिसमें इस बार के नियमों के तहत किसी विद्यार्थी ने 12वीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली है तो वो पुनः प्रवेश लेकर प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं बन सकेगा। इसके अलावा अंडर-19 आयु वर्ग के लिए संबंधित खिलाड़ी की आयु 1 जनवरी 2006 को या उसके बाद अथवा छठी से बारहवीं कक्षा के मध्य अध्ययनरत होना अनिवार्य होगा। वहीं अंडर-17 आयु वर्ग के लिए 1 जनवरी 2008 या उसके बाद अथवा माध्यमिक शिक्षा में छठी से बारहवीं कक्षा तक में किसी भी कक्षा में अध्ययन होना जरूरी होगा। वहीं आयु प्रमाणीकरण के लिए संबंधित खिलाड़ी आधार कार्ड, पासपोर्ट, जन्म प्रमाण पत्र, 10वीं बोर्ड की अंकतालिका में से कोई दो दस्तावेज अनिवार्य रूप से देना होगा।

## इन तिथियों में होगी प्रतियोगिताएं

| समूह | स्कूल लेवल | जिला लेवल | स्टेट लेवल |
|---|---|---|---|
| प्रथम | 14 अग. से पूर्व | 20 से 24 अग. | 7 से 13 सितंबर |
| द्वितीय | 14 अग. से पूर्व | 27 से 31 अग. | 17 से 23 सितंबर |
| तृतीय | 14 अग. से पूर्व | 6 से 10 सितं. | 26 सितं. से 2 अक्टूबर |
| चतुर्थ | 14 अग. से पूर्व | 17 से 21 सितं. | 7 से 13 अक्टूबर तक |

## नए खेल जोड़ने का निदेशक से करेंगे आग्रह

*टेनिस बॉल क्रिकेट को भी स्कूली गेम्स में जोड़ने के लिए एसोसिएशन के मार्फत आग्रह किया जाएगा। क्रिकेट के ही दूसरे प्रारूप में टेनिस बॉल क्रिकेट खेली जाती है। जो पूरे देश में प्रसिद्ध है। इसके जानकार शारीरिक शिक्षक अधिकतर स्कूलों में कार्यरत है और इसे लागू किया जाता है तो इसमें एसोसिएशन भी सहयोग करेगी।*

**- भवानी सिंह व भूपेंद्र सिंह,** जिला टेनिस बॉल क्रिकेट संघ

## कौनसा खेल किस समूह में

**प्रथम समूह** • हॉकी, फुटबाल,कबड्डी टेबल टेनिस, जूडो, कुश्ती, शतरंज, कराते, सेपक तकरा, ताइक्वांडो,साइक्लिंग (ट्रैक)।

**द्वितीय समूह** • खो-खो, तैराकी, बैडमिंटन, बास्केटबाल, हैंडबॉल, बॉक्सिंग, योगा, वुशु, रोलर स्केटिंग, लॉन टेनिस।

**तृतीय समूह** • क्रिकेट, वॉलीबाल, जिम्नास्टिक, वेट लिफ्टिंग, राइफल शूटिंग, सॉफ्टबाल, रग्बी फुटबाल, नेटबॉल, मलखंभ, तीरंदाजी, साइक्लिंग (रोड)।

**चतुर्थ समूह** • एथलेटिक्स की प्रतियोगिता होगी।

दैनिक भास्कर बीकानेर ज़िला 08-08-2024

### मामला न्यायालय में प्रमोशन भी अटके

# 9884 पदोन्नत, 4725 को ही मिला पदस्थापन

एजुकेशन रिपोर्टर | बीकानेर

वाइस प्रिंसिपल डीपीसी का मामला पिछले डेढ़ साल से न्यायालय में लंबित है। प्रकरण की अगली सुनवाई अब चार सप्ताह बाद होगी। ऐसे में पदोन्नत चार हजार वाइस प्रिंसिपल को पोस्टिंग के लिए अभी इंतजार करना होगा।

वाइस प्रिंसिपल पदों पर डीपीसी में व्याख्याता वरिष्ठता को लेकर चल रहे विवाद का निस्तारण नहीं होने से वाइस प्रिंसिपल के 50 फीसदी पद प्रमोशन के बाद भी रिक्त चल रहे हैं। वहीं पिछले दो साल से प्रिंसिपल पदों की डीपीसी भी नहीं हो पाई है। पिछले साल 17 फरवरी 2023 को 9854 वाइस प्रिंसिपल पद पर डीपीसी की गई। 27 फरवरी 2023 को पदोन्नत वाइस प्रिंसिपल को यथास्थान पर पदस्थापन के आदेश जारी किए गए। हालांकि पिछले महीने जुलाई के प्रथम सप्ताह में नई स्कूलों में पोस्टिंग देने के लिए वाइस प्रिंसिपलों की काउंसलिंग की गई। न्यायालय निर्णय के मुताबिक काउंसलिंग में केवल डीपीसी से व्याख्याता बने 4725 पदोन्नत वाइस प्रिंसिपल पदस्थापन दिया गया। आरपीएससी सीधी भर्ती के व्याख्याता जो विशेष वर्ग में शामिल है उनकी केवल काउंसलिंग की गई। ऐसे में 4 हजार पदोन्नत वाइस प्रिंसिपल को अभी तक पोस्टिंग नहीं मिली है। करीब 900 पदोन्नत वाइस प्रिंसिपल तो नई स्कूलों में पोस्टिंग से पहले ही सेवानिवृत हो चुके हैं।

*शिक्षा विभाग को चाहिए कि उचित तरीके से न्यायालय में पैरवी कर वाइस प्रिंसिपल डीपीसी के मामले का निस्तारण करवाया जाए। डेढ़ साल से पदोन्नत वाइस प्रिंसिपल को पोस्टिंग नहीं मिली है।*

**गिरधारी गोदारा,**
प्रदेशाध्यक्ष, शिक्षक संघ रेसला

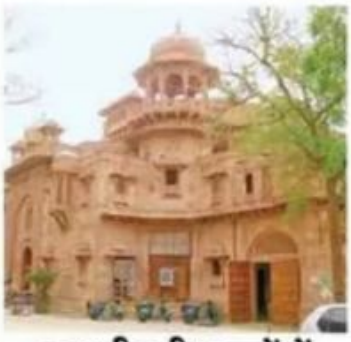

## 38 फीसदी स्कूलों में प्रिंसिपल के पद रिक्त

राज्य के स्कूलों में नया शिक्षा सत्र शुरू हुए एक महीना गुजर चुका है। लेकिन राज्य के स्कूलों में प्रिंसिपलों के 6900 पद रिक्त चल रहे हैं। पिछले दो साल से प्रधानाचार्य पदों पर भी डीपीसी नहीं होने से 38 फीसदी स्कूलों को प्रिंसिपल नहीं मिल पाए हैं। शिक्षा विभाग में प्रिंसिपल के 17900 पद स्वीकृत हैं। जिसमें 11 हजार पदों पर प्रिंसिपल कार्यरत हैं। शेष खाली है। प्रिंसिपल पदों के सभी रिक्त पद डीपीसी से भरने का प्रावधान है। ऐसे में डीपीसी कोटे के शत प्रतिशत पद रिक्त चल रहे हैं।

## व्याख्याता डीपीसी में भी विलंब, आपत्तियों का निस्तारण नहीं

शिक्षा विभाग में व्याख्याता पदों की भी पिछले 4 साल की डीपीसी बकाया चल रही है। यह डीपीसी पिछले महीने की जानी थी। लेकिन आपत्तियों की संख्या अधिक होने के कारण उनका निस्तारण अभी तक नहीं हो पाया है। संभावना जताई जा रही है कि अगले सप्ताह तक आपत्तियां का निस्तारण कर विषयवार डीपीसी के प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे।

दैनिक भास्कर
जोधपुर 08-08-2024

# आरपीएससी: ईओ-आरओ परीक्षा का अगस्त में जारी हो सकता है रिजल्ट

जोधपुर | आरपीएससी की ओर से 14 मई 2023 का कराई गई ईओ/आरओ भर्ती परीक्षा 2023 में आयोग को एसीबी की क्लीन चिट मिलने के बाद अब फाइनल रिजल्ट जारी करने की तैयारी में हैं। आयोग सूत्रों के मुताबिक अगस्त में ही फाइनल रिजल्ट जारी किया जा सकता है। आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष केसी मीणा का कहना है कि इस मामले का स्टेट्स देखने के बाद ही कुछ कह पाएंगे। 14 मई 2023 को आरपीएससी ने यह परीक्षा कराई थी।

# चयन बोर्ड के अनुरूप ही होंगे नियम; एलडीसी भर्ती के प्रस्ताव की तैयारी

जोधपुर | राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में 257 एलडीसी के पदों पर भर्ती के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इस भर्ती के लिए रूल्स भी राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अनुरूप किए जा रहे हैं। एलडीसी पदों के लिए भर्ती कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से ही हो सकेगी। बोर्ड जल्द ही प्रस्ताव शिक्षा ग्रुप 6 को भेजेगा। बोर्ड के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक बोर्ड एलडीसी के पदों की भर्ती ही कराना चाहता है। कारण, बोर्ड में सबसे अधिक कमी एलडीसी की ही है। बोर्ड में एलडीसी भर्ती को लेकर एक प्रस्ताव पूर्व में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता से पूर्व शिक्षा ग्रुप 6 को भेजा गया था। तब बोर्ड इस भर्ती को आरपीएससी के माध्यम से कराने के पक्ष में था।

दैनिक भास्कर

अजमेर 08-08-2024

# एसीबी की क्लीनचिट: ईओ/आरओ परीक्षा 2023 के परिणाम इसी माह आ सकते हैं

अजमेर | आरपीएससी की ओर से 14 मई 2023 का कराई गई ईओ/आरओ भर्ती परीक्षा 2023 में आरपीएससी को एसीबी की क्लीन चिट मिलने के बाद अब फाइनल रिजल्ट जारी करने की तैयारी में हैं। आयोग के सचिव के मुताबिक अगस्त में ही फाइनल रिजल्ट जारी किया जा सकता है। कार्यवाहक अध्यक्ष केसी मीणा का कहना है कि इस मामले का स्टेटस देखने के बाद ही कुछ कह पाएंगे। 14 मई 2023 को यह परीक्षा कराई गई थी। धांधली सामने आने और ईओ परीक्षा पास कराने के नाम पर राशि वसूलने के मामले में एसीबी की कार्रवाई होने से परीक्षा विवादों में आ गई थी। आयोग सदस्यों के शामिल होने के आरोप लगे। एसीबी डीजी रविप्रकाश मेहरड़ा ने कहा था कि मामले की जांच में आरपीएससी के किसी सदस्य की भूमिका नहीं पाई गई।

# 1162 पदों के लिए 6 प्रतियोगी परीक्षाओं की तिथियां घोषित

**कासं/अजमेर।** राजस्थान लोक सेवा आयोग ने 6 विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के 1162 पदों के लिए परीक्षा तिथियां जारी कर दी हैं। परीक्षाओं का आयोजन अगले वर्ष 2025 में 17 अगस्त से 12 अक्टूबर तक किया जाएगा। आयोग सचिव ने बताया कि एनालिस्ट कम प्रोग्रामर/उपनिदेशक प्रतियोगी परीक्षा 2024 का आयोजन 17 अगस्त 2025 को किया जाएगा। यह परीक्षा 45 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की अवधि 16 जुलाई से 14 अगस्त 24 है। भूवैज्ञानिक प्रतियोगी परीक्षा-2024 एवं सहायक खनि अभियंता प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 31 अगस्त 2025 को किया जाएगा। यह परीक्षा भू वैज्ञानिक के 32 पद और सहायक खनि अभियंता के 24 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की अवधि 22 जुलाई से 20 अगस्त 24 है। संरक्षण अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 7 सितम्बर 2025 को किया जाएगा। यह परीक्षा संरक्षण अधिकारी के 4 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की अवधि 29 जुलाई से 27 अगस्त 24 है। सहायक अभियंता संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 28 सितम्बर 2025 को किया जाएगा। यह परीक्षा 1014 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की अवधि 14 अगस्त से 12 सितम्बर 24 है। इसी तरह सहायक सांख्यिकी अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 12 अक्टूबर 2025 को किया जाएगा। यह परीक्षा 43 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की अवधि 12 अगस्त से 10 सितम्बर 24 है।

दैनिक भास्कर बीकानेर ज़िला 08-08-2024

# युवा-शिक्षा-अवसर



**बोर्ड का दावा** • सोच समझकर व छात्रहित में लागू किया है माइनस मार्किंग का प्रावधान

## रीट-सीटेट में नेगेटिव मार्किंग का प्रावधान नहीं, सीईटी में इस साल से होगी माइनस मार्किंग

विनोद मित्तल | जयपुर

समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) में गलत उत्तर पर माइनस मार्किंग का सिस्टम लागू करने को लेकर विरोध शुरू हो गया है। इसको लेकर बेरोजगारों और चयन बोर्ड के अपने अलग अलग दावे हैं। एक तरफ बेरोजगार यह कहते हुए इसका विरोध कर रहे हैं कि पात्रता परीक्षा में माइनस मार्किंग नहीं की जानी चाहिए। रीट-सीटेट भी पात्रता परीक्षाएं हैं। इनमें भी माइनस मार्किंग का प्रावधान नहीं है। इसलिए सीईटी में इसे लागू नहीं किया जाना चाहिए। उधर, बोर्ड का दावा है कि अगर माइनस मार्किंग का सिस्टम लागू नहीं किया जाता तो इस बार करीब 6 लाख अभ्यर्थियों को सीईटी की पात्रता मिलने की संभावना है। अगर इतनी बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पात्र होंगे तो सीईटी का मकसद खत्म हो जाता। उधर, चयन बोर्ड ने सीईटी का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अभ्यर्थी 9 अगस्त से 7 सितंबर तक इसके लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पिछली बार सीईटी में करीब 8 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। बोर्ड के अनुसार पिछली सीईटी में 8 लाख में से 4.15 लाख अभ्यर्थियों ने 40 प्रतिशत व 35 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए थे।

### 10 से 12 लाख उम्मीदवारों के शामिल होने की उम्मीद

इस बार बोर्ड को उम्मीद है कि सीईटी में 10 से 12 लाख अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में अगर माइनस मार्किंग नहीं की जाए तो 5 से 6 लाख अभ्यर्थी पात्रता हासिल कर लेंगे। ऐसी स्थिति में टू स्टेप परीक्षा का औचित्य नहीं रह जाएगा। अब माइनस मार्किंग करने से करीब 2.50 से 3 लाख अभ्यर्थी ही पात्रता हासिल करेंगे, जो काफी है।

**माइनस मार्किंग छात्रहित व राज्य हित में भी है।** माइनस मार्किंग का सिस्टम लागू नहीं करने पर कुल अभ्यर्थियों में से करीब 50 फीसदी यानी 5 से 6 लाख अभ्यर्थी पात्रता हासिल करेंगे। पात्रता हासिल करने के बाद वे कोचिंग के चक्कर में फंसते। फिर चाहे आगे वाली भर्तियों में उनका चयन होता या नहीं होता। अब माइनस मार्किंग से करीब 3 लाख अभ्यर्थी ही पात्रता प्राप्त करेंगे। वैसे कहीं भी ऐसा नहीं लिखा कि पात्रता परीक्षा में माइनस मार्किंग को लागू नहीं किया जा सकता।

**-आलोक राज, अध्यक्ष,**
**राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड**

**पात्रता परीक्षा में कहीं भी नेगेटिव मार्किंग नहीं होती है।** परीक्षा से दो महीने पहले नेगेटिव मार्किंग का सिस्टम लागू करना गलत है। अब नए परीक्षा पैटर्न के अनुसार तैयारी करने में युवाओं को परेशानी होगी। इससे युवाओं में आक्रोश है। बोर्ड ने समय रहते इसकी जानकारी क्यों नहीं दी। दूसरी ओर, सीईटी का सिलेबस आरएएस भर्ती परीक्षा से भी बड़ा है। ऐसी स्थिति में राज्य सरकार को दखल देकर तुरंत माइनस मार्किंग का प्रावधान हटाना चाहिए। यह छात्र हित में रहेगा।

**-हनुमान किसान, राष्ट्रीय अध्यक्ष,**
**नेशनल फ्रीडम यूनियन**

**पीटीईटी** • कॉलेजों में रिक्त सीटों की सूची होगी अपलोड

## 15604 रिक्त सीटों पर सेकंड काउंसलिंग 15 अगस्त तक

एजुकेशन रिपोर्टर | बीकानेर

राज्य के बीएड कॉलेजों में रिक्त 15604 सीटों पर सेकंड राउंड की काउंसलिंग 15 अगस्त के बाद होगी। नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा सेकंड काउंसलिंग के दौरान इस बार नवाचार करते हुए अभ्यर्थियों को बताएगा कि किस कॉलेज में कितनी सीटें रिक्त हैं।

अभ्यर्थी अपनी सुविधा के अनुसार उन कॉलेजों को वरीयता के आधार पर भर सकेंगे। दो वर्षीय बीएड और चार वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स की कुल 1.51 लाख सीटों पर प्रवेश के लिए 1.96 लाख अभ्यर्थियों ने पांच हजार रुपए देकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा रखा है। इनमें से 1.35 लाख अभ्यर्थियों को बीएड कॉलेजों में सीटें आवंटित की जा चुकी है। अभ्यर्थियों को 11 अगस्त तक संबंधित कॉलेज में रिपोर्टिंग करनी होगी। 9 अगस्त तक फीस जमा नहीं करने वाले अभ्यर्थियों का प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा। ऐसे में रिक्त सीटों की संख्या में बढ़ोतरी भी संभव है।

पीटीईटी समन्वयक डॉ. आलोक चौहान ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों को कॉलेज में सीट आवंटित हो चुकी है उन्हें 9 अगस्त तक 22 हजार रुपए फीस जमा करनी होगी। अन्यथा अभ्यर्थियों का प्रवेश निरस्त माना जाएगा और इनकी सीट पर दूसरे अभ्यर्थी को सेकंड काउंसलिंग में मौका मिलेगा। विदित रहे कि 2 वर्षीय बीएड कोर्स में 7140 सीटें रिक्त है जबकि 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स के तहत बीए-बीएड में 2208 और बीएससी-बीएड में 6256 सीटें अभी भी रिक्त है।

**7951 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन 29 अगस्त तक**

## रेलवे भर्ती : अपात्र होने के बावजूद फॉर्म भरने पर आजीवन होंगे बैन

एजुकेशन रिपोर्टर | बीकानेर

रेलवे भर्ती बोर्ड में जेई, सीएमए, सीएसआर, डीएमएस के अजमेर जोन में 529 सहित देश के 21 जोन में 7951 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 29 अगस्त तक भरे जा सकेंगे। अभ्यर्थियों को गलतियों को सुधारने के लिए 30 अगस्त से 8 सितंबर तक मौका दिया जाएगा। इस बार रेलवे ने चेतावनी दी है कि अभ्यर्थियों ने अगर पात्र या योग्य नहीं होने के बावजूद आवेदन भरने और अयोग्य होने पर भी एक से अधिक पदों पर आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों पर सख्ती की गई है। ऐसे अभ्यर्थियों के आवेदन निरस्त करने के साथ रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड और रेलवे रिक्रूटमेंट सेल से आगामी भर्ती परीक्षाओं के लिए बैन लगा दिया जाएगा। अभ्यर्थी ने आवेदन में खराब फोटो, ग्रुप फोटो, फुल बॉडी व्यू, साइड व्यू, फोटो कॉपी फोटोग्राफ आदि उपयोग किया तो भी आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा।

### 21 जोन के लिए भर्ती

अभ्यर्थी जिन पदों के लिए पात्र पूरी करते हैं, उन सभी पदों के लिए अलग-अलग आवेदन कर सकते हैं। रेलवे भर्ती बोर्ड जूनियर इंजीनियर (जेई), केमिकल एंड मेटलर्जिकल असिस्टेंट (सीएमए), केमिकल सुपरवाइजर रिसर्च (सीएसआर), डिपो मटेरियल सुपरिंटेंडेंट (डीएमएस) के पदों पर भर्ती करेगा। यह भर्ती अजमेर जोन, अहमदाबाद, कोलकाता, मुंबई सहित देश के 21 रेलवे जोन के लिए होगी। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आयु सीमा 18 से 36 वर्ष निर्धारित हैं। आरक्षित वर्ग के लिए उम्र में छूट नियमानुसार होगी।

## नीट-यूजी : एनआरआई-स्टेटस के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

**बीकानेर** | मेडिकल काउंसलिंग कमेटी नई दिल्ली ने नीट-यूजी 2024 क्वालिफाइड स्टूडेंट्स के नेशनेलिटी परिवर्तित कर एनआरआई-स्टेटस प्राप्त करने की आवेदन की प्रक्रिया बुधवार को शुरू कर दी गई है। एमसीसी की ऑफिशियल वेबसाइट पर ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। एनआरआई-स्टेटस प्राप्त करने के इच्छुक इंडियन-नेशनलिटी के स्टूडेंट्स अपनी कैटेगरी परिवर्तित कर एनआरआई-स्टेटस प्राप्त करने के लिए आगामी 10 अगस्त सुबह 10 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। स्टूडेंट्स को वेबसाइट पर निर्धारित प्रफॉर्मा में आवेदन-पत्र, सभी आवश्यक मूल-दस्तावेजों के साथ मेडिकल काउंसलिंग कमेटी-एमसीसी, नई दिल्ली को ug.nri.mcc@gmail.com पर ईमेल करना होगा। समय सीमा से पहले तथा बाद में किए गए ई-मेल आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशानुसार एनआरआई-स्टेटस के लिए आवेदन कर रहे पात्र-विद्यार्थियों को एनआरआई-स्पॉन्सरर की संपूर्ण जानकारी मय पासपोर्ट, वीजा तथा एंबेसी-सर्टिफिकेट के साथ ईमेल करनी होगी। एनआरआई-स्पॉन्सरर को संपूर्ण एमबीबीएस कोर्स-फीस डिपॉजिट करने का एफिडेविट भी देना होगा, जो कि विद्यार्थी द्वारा एनआरआई-कैटेगरी के ई-मेल आवेदन के साथ प्रस्तुत करना होगा। विशेष ध्यान रखने योग्य बात है कि सभी आवश्यक दस्तावेज एक ही ईमेल आवेदन के साथ अटैच करने होंगे।

## 12वीं तक के 119 दिव्यांग विद्यार्थियों को मिले कृत्रिम अंग एवं उपकरण

**बीकानेर** | जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले पहले से 12वीं तक के 119 दिव्यांग बालक बालिकाओं को कृत्रिम अंग उपकरण वितरित किए गए हैं। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद एवं एलिम्को मोहाली के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को राजकीय नेत्रहीन उच्च माध्यमिक विद्यालय अंग-उपकरण वितरण कैम्प आयोजित किया गया। एडीपीसी गजानन्द सेवग ने बताया कि कैम्प में सत्र 2023-24 में मेडिकल कम फंक्शनल असेसमेन्ट कैम्प में अंग-उपकरण के लिए चिन्हित 119 विशेष आश्यकता वाले बालक-बालिकाओं ने भाग लिया। कैम्प में विशेष बच्चों को ट्राईसाईकिल,व्हीलचेयर, सीपी चेयर,कैलीपर,कृत्रिम अंग दृष्टि बाधित विद्यार्थियों को मोबाइल इत्यादि 221 उपकरण प्रदान किए गए।

## शिक्षा विभाग : 85 अभ्यर्थियों को मिली अनुकंपा नियुक्ति, जिला आवंटित

**बीकानेर** | शिक्षा विभाग में 85 मृत राज्य कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति दी गई है। अनुकंपा नियुक्ति के आवेदनों का परीक्षण करने के बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी की ओर से आदेश जारी किए गए हैं। जिसमें मृत राज्य कर्मचारियों के 69 आश्रितों को कनिष्ठ सहायक और 16 को सहायक कर्मचारी के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति के लिए जिला आवंटन किया गया है। अब जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी इनके दस्तावेजों की जांच कर इनको स्कूलों में रिक्त पदों पर पोस्टिंग देंगे।

**बोर्ड का दावा • सोच समझकर व छात्रहित में लागू किया है माइनस मार्किंग का प्रावधान**

# रीट-सीटेट में नेगेटिव मार्किंग का प्रावधान नहीं, सीईटी में इस साल से होगी माइनस मार्किंग

विनोद मित्तल | जयपुर

समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) में गलत उत्तर पर माइनस मार्किंग का सिस्टम लागू करने को लेकर विरोध शुरू हो गया है। इसको लेकर बेरोजगारों और चयन बोर्ड के अपने अलग अलग दावे हैं। एक तरफ बेरोजगार यह कहते हुए इसका विरोध कर रहे हैं कि पात्रता परीक्षा में माइनस मार्किंग नहीं की जानी चाहिए। रीट-सीटेट भी पात्रता परीक्षाएं हैं। इनमें भी माइनस मार्किंग का प्रावधान नहीं है। इसलिए सीईटी में इसे लागू नहीं किया जाना चाहिए। उधर, बोर्ड का दावा है कि अगर माइनस मार्किंग का सिस्टम लागू नहीं किया जाता तो इस बार करीब 6 लाख अभ्यर्थियों को सीईटी की पात्रता मिलने की संभावना है। अगर इतनी बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पात्र होंगे तो सीईटी का मकसद खत्म हो जाता। उधर, चयन बोर्ड ने सीईटी का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अभ्यर्थी 9 अगस्त से 7 सितंबर तक इसके लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पिछली बार सीईटी में करीब 8 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। बोर्ड के अनुसार पिछली सीईटी में 8 लाख में से 4.15 लाख अभ्यर्थियों ने 40 प्रतिशत व 35 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए थे।

## 10 से 12 लाख उम्मीदवारों के शामिल होने की उम्मीद

इस बार बोर्ड को उम्मीद है कि सीईटी में 10 से 12 लाख अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में अगर माइनस मार्किंग नहीं की जाए तो 5 से 6 लाख अभ्यर्थी पात्रता हासिल कर लेंगे। ऐसी स्थिति में टू स्टेप परीक्षा का औचित्य नहीं रह जाएगा। अब माइनस मार्किंग करने से करीब 2.50 से 3 लाख अभ्यर्थी ही पात्रता हासिल करेंगे, जो काफी है।

- माइनस मार्किंग छात्रहित व राज्य हित में भी है। माइनस मार्किंग का सिस्टम लागू नहीं करने पर कुल अभ्यर्थियों में से करीब 50 फीसदी यानी 5 से 6 लाख अभ्यर्थी पात्रता हासिल करेंगे। पात्रता हासिल करने के बाद वे कोचिंग के चक्कर में फंसते। फिर चाहे आगे वाली भर्तियों में उनका चयन होता या नहीं होता। अब माइनस मार्किंग से करीब 3 लाख अभ्यर्थी ही पात्रता प्राप्त करेंगे। वैसे कहीं भी ऐसा नहीं लिखा कि पात्रता परीक्षा में माइनस मार्किंग को लागू नहीं किया जा सकता।

**-आलोक राज, अध्यक्ष,**
**राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड**

- पात्रता परीक्षा में कहीं भी नेगेटिव मार्किंग नहीं होती है। परीक्षा से दो महीने पहले नेगेटिव मार्किंग का सिस्टम लागू करना गलत है। अब नए परीक्षा पैटर्न के अनुसार तैयारी करने में युवाओं को परेशानी होगी। इससे युवाओं में आक्रोश है। बोर्ड ने समय रहते इसकी जानकारी क्यों नहीं दी। दूसरी ओर, सीईटी का सिलेबस आरएएस भर्ती परीक्षा से भी बड़ा है। ऐसी स्थिति में राज्य सरकार को दखल देकर तुरंत माइनस मार्किंग का प्रावधान हटाना चाहिए। यह छात्र हित में रहेगा।

**-हनुमान किसान, राष्ट्रीय अध्यक्ष,**
नेशनल फ्रीडम यूनियन

# उपाचार्य व अधीक्षक आईटीआई के 36 पदों के लिए आवेदन आज तक

कासं/अजमेर

उपाचार्य/अधीक्षक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग, प्राविधिक शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा 2024 के लिए अभ्यर्थी 8 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। यह परीक्षा 36 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। अभ्यर्थियों का चयन लिखित परीक्षा व साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा।

अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक कर अथवा एसएसओ पोर्टल से लॉगिन कर सिटीजन एप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर वन टाइम रजिस्ट्रेशन करना होगा। जिन अभ्यर्थी ने पूर्व में वन टाइम रजिस्ट्रेशन कर लिया है। वह एसएसओ पोर्टल पर से लॉगिन कर सिटीजन एप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर अपने वन टाइम रजिस्ट्रेशन नम्बर के आधार पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन करने के दौरान हाल में खिंचवाई गई फोटो, जिस पर तिथि अंकित हो, हस्ताक्षर एवं बाएं हाथ के अंगूठे को स्केन कर उसकी फोटो अपलोड करनी है। परीक्षा के दौरान परीक्षा कक्ष में अभ्यर्थी से उपस्थिति पत्रक पर अंगूठे का निशान लिया जाएगा। अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन के बाद आवेदन पत्र क्रमांक प्राप्त होगा। यदि आवेदन पत्र क्रमांक प्राप्त नहीं हुआ है तो इसका मतलब उसका आवेदन पत्र सब्मिट नहीं हुआ है।

दैनिक भास्कर
जयपुर 08-08-2024

**बोर्ड का दावा** • सोच समझकर व छात्रहित में लागू किया है माइनस मार्किंग का प्रावधान

# रीट-सीटेट में नेगेटिव मार्किंग का प्रावधान नहीं, सीईटी में इस साल से होगी माइनस मार्किंग

विनोद मित्तल | जयपुर

समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) में गलत उत्तर पर माइनस मार्किंग का सिस्टम लागू करने को लेकर विरोध शुरू हो गया है। इसको लेकर बेरोजगारों और चयन बोर्ड के अपने अलग अलग दावे हैं। एक तरफ बेरोजगार यह कहते हुए इसका विरोध कर रहे हैं कि पात्रता परीक्षा में माइनस मार्किंग नहीं की जानी चाहिए। रीट-सीटेट भी पात्रता परीक्षाएं हैं। इनमें भी माइनस मार्किंग का प्रावधान नहीं है। इसलिए सीईटी में इसे लागू नहीं किया जाना चाहिए। उधर, बोर्ड का दावा है कि अगर माइनस मार्किंग का सिस्टम लागू नहीं किया जाता तो इस बार करीब 6 लाख अभ्यर्थियों को सीईटी की पात्रता मिलने की संभावना है। अगर इतनी बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पात्र होंगे तो सीईटी का मकसद खत्म हो जाता। उधर, चयन बोर्ड ने सीईटी का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अभ्यर्थी 9 अगस्त से 7 सितंबर तक इसके लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पिछली बार सीईटी में करीब 8 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। बोर्ड के अनुसार पिछली सीईटी में 8 लाख में से 4.15 लाख अभ्यर्थियों ने 40 प्रतिशत व 35 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए थे।

## 10 से 12 लाख उम्मीदवारों के शामिल होने की उम्मीद

इस बार बोर्ड को उम्मीद है कि सीईटी में 10 से 12 लाख अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में अगर माइनस मार्किंग नहीं की जाए तो 5 से 6 लाख अभ्यर्थी पात्रता हासिल कर लेंगे। ऐसी स्थिति में टू स्टेप परीक्षा का औचित्य नहीं रह जाएगा। अब माइनस मार्किंग करने से करीब 2.50 से 3 लाख अभ्यर्थी ही पात्रता हासिल करेंगे, जो काफी है।

- माइनस मार्किंग छात्रहित व राज्य हित में भी है। माइनस मार्किंग का सिस्टम लागू नहीं करने पर कुल अभ्यर्थियों में से करीब 50 फीसदी यानी 5 से 6 लाख अभ्यर्थी पात्रता हासिल करेंगे। पात्रता हासिल करने के बाद वे कोचिंग के चक्कर में फंसते। फिर चाहे आगे वाली भर्तियों में उनका चयन होता या नहीं होता। अब माइनस मार्किंग से करीब 3 लाख अभ्यर्थी ही पात्रता प्राप्त करेंगे। वैसे कहीं भी ऐसा नहीं लिखा कि पात्रता परीक्षा में माइनस मार्किंग को लागू नहीं किया जा सकता।

**-आलोक राज, अध्यक्ष,**
**राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड**

- पात्रता परीक्षा में कहीं भी नेगेटिव मार्किंग नहीं होती है। परीक्षा से दो महीने पहले नेगेटिव मार्किंग का सिस्टम लागू करना गलत है। अब नए परीक्षा पैटर्न के अनुसार तैयारी करने में युवाओं को परेशानी होगी। इससे युवाओं में आक्रोश है। बोर्ड ने समय रहते इसकी जानकारी क्यों नहीं दी। दूसरी ओर, सीईटी का सिलेबस आरएएस भर्ती परीक्षा से भी बड़ा है। ऐसी स्थिति में राज्य सरकार को दखल देकर तुरंत माइनस मार्किंग का प्रावधान हटाना चाहिए। यह छात्र हित में रहेगा।

**-हनुमान किसान,** राष्ट्रीय अध्यक्ष,
नेशनल फ्रीडम यूनियन

# RBSE; इस साल 18 हजार स्टूडेंट्स कम देंगे सप्लीमेंट्री

## 12 अगस्त से शुरू होंगी बोर्ड की पूरक परीक्षाएं

एजुकेशन रिपोर्टर | जयपुर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की पूरक परीक्षाओं में पिछले साल की तुलना में इस बार करीब 18 हजार स्टूडेंट्स कम बैठेंगे। पिछले साल 10वीं व 12वीं तथा समकक्ष कक्षाओं की पूरक परीक्षा में 56 हजार से अधिक स्टूडेंट्स बैठे थे। इस बार संख्या 28 हजार के आसपास ही रह गई है। पूरक परीक्षाएं 12 अगस्त से शुरू होंगी। बोर्ड प्रदेश के 50 जिलों में 167 परीक्षा केंद्रों पर पूरक परीक्षा लेगा।

इस बार कुल 38 हजार 152 स्टूडेंट्स पूरक परीक्षा के लिए पंजीकृत किए गए हैं। इनमें कक्षा 12वीं व वरिष्ठ उपाध्याय के लिए 7685 तथा 10वीं व प्रवेशिका के लिए 30 467 छात्र हैं। पिछले साल 56,131 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड हुए थे। इनमें सर्वाधिक 31,266 10वीं पूरक परीक्षा के थे। 10वीं विशेष योग्यजन के लिए 48, प्रवेशिका के लिए 419 और 10वीं व्यावसायिक के लिए 3,883 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। 12वीं सप्लीमेंट में 20,239, 12वीं विशेष योग्यजन में 26 और वरिष्ठ उपाध्याय में 249 व वरिष्ठ उपाध्याय विशेष योग्यजन में 01 परीक्षार्थियों ने आवेदन किए थे।

**पीटीईटी** • कॉलेजों में रिक्त सीटों की सूची होगी अपलोड

# 15604 रिक्त सीटों पर सेकंड काउंसलिंग 15 अगस्त तक

जयपुर | राज्य के बीएड कॉलेजों में रिक्त 15604 सीटों पर सेकंड राउंड की काउंसलिंग 15 अगस्त के बाद होगी। नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा ने इस बार एक नवाचार किया है। सेकंड काउंसलिंग के दौरान अभ्यर्थियों को बताया जाएगा कि किस कॉलेज में सीटें रिक्त हैं। अभ्यर्थी अपनी सुविधा के अनुसार उन कॉलेजों को वरीयता के आधार पर भर सकेंगे। दो वर्षीय बीएड और चार वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स की 1.51 लाख सीटों पर प्रवेश के लिए 1.96 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इनमें से 1.35 लाख अभ्यर्थियों को बीएड कॉलेजों में सीटें आवंटित की जा चुकी है। अभ्यर्थियों को 11 अगस्त तक संबंधित कॉलेज में रिपोर्टिंग करनी होगी। 9 अगस्त तक फीस जमा नहीं करने वाले अभ्यर्थियों का प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा। ऐसे में रिक्त सीटों की संख्या में बढ़ोतरी भी संभव है। पीटीईटी समन्वयक डॉ. आलोक चौहान ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों को कॉलेज में सीट आवंटित हो चुकी है उन्हें 9 अगस्त तक 22 हजार रुपए फीस जमा करनी होगी। अन्यथा अभ्यर्थियों का प्रवेश निरस्त माना जाएगा।

# ईओ-आरओ; अगस्त में जारी हो सकता है फाइनल रिजल्ट

जयपुर | आरपीएससी की ओर से 14 मई 2023 का कराई गई ईओ/आरओ भर्ती परीक्षा 2023 में आयोग को एसीबी की क्लीन चिट मिलने के बाद अब फाइनल रिजल्ट जारी करने की तैयारी में हैं। आयोग सूत्रों के मुताबिक अगस्त में ही फाइनल रिजल्ट जारी किया जा सकता है। आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष केसी मीणा का कहना है कि इस मामले का स्टेट्स देखने के बाद ही कुछ कह पाएंगे।

14 मई 2023 को आरपीएससी ने यह परीक्षा कराई थी। अनियमितता सामने आने और अधिशासी अधिकारी (ईओ) परीक्षा पास कराने के नाम पर राशि वसूलने के मामले में एसीबी की कार्रवाई होने से परीक्षा विवादों में आ गई थी। आयोग सदस्यों शामिल होने के आरोप लगे, लेकिन एसीबी की क्लीनचिट मिल चुकी है। एसीबी डीजी रवि प्रकाश मेहरड़ा ने कहा था कि ईओ भर्ती परीक्षा मामले की जांच में आरपीएससी के किसी सदस्य की भूमिका नहीं पाई गई। आरपीएससी अब इस परीक्षा का परिणाम जारी कर सकता है।'

# चयन बोर्ड के अनुरूप ही होंगे नियम; 257 एलडीसी की भर्ती के प्रस्ताव की तैयारी

जयपुर | राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में 257 एलडीसी के पदों पर भर्ती के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इस भर्ती के लिए रूल्स भी राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अनुरूप किए जा रहे हैं। एलडीसी पदों के लिए भर्ती कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से ही हो सकेगी। बोर्ड जल्द ही प्रस्ताव शिक्षा ग्रुप 6 को भेजेगा। बोर्ड के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक बोर्ड एलडीसी के पदों की भर्ती ही कराना चाहता है। कारण, बोर्ड में सबसे अधिक कमी एलडीसी की ही है। बोर्ड में एलडीसी भर्ती को लेकर एक प्रस्ताव पूर्व में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता से पूर्व शिक्षा ग्रुप 6 को भेजा गया था। तब बोर्ड इस भर्ती को आरपीएससी के माध्यम से कराने के पक्ष में था। रूल्स भी इसी हिसाब से तय किए गए, लेकिन सामने आया कि आरपीएससी एलडीसी पदों की भर्ती कराता ही नहीं है। इसके बाद इस भर्ती को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से कराने की बात सामने आई। इसे देखते हुए ही नियमों को इस तरह तय किया जा रहा है कि कर्मचारी चयन बोर्ड को भर्ती कराने में कोई परेशानी नहीं हो।

# शिक्षा विभाग में 85 उम्मीदवारों को अनुकंपा नियुक्ति, अब मिलेगी प्रदेश के स्कूलों में पोस्टिंग

जयपुर | शिक्षा विभाग में 85 मृत राज्य कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति दी गई है। अनुकंपा नियुक्ति के आवेदनों का परीक्षण करने के बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी की ओर से आदेश जारी किए गए हैं। जिसमें मृत राज्य कर्मचारियों के 69 आश्रितों को कनिष्ठ सहायक और 16 को सहायक कर्मचारी के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति के लिए जिला आवंटन किया गया है। अब जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी इनके दस्तावेजों की जांच कर इनको स्कूलों में रिक्त पदों पर पोस्टिंग देंगे।

# RRB; एक हजार पदों के लिए आवेदन 17 से

## फॉर्म फिलिंग 16 सितंबर तक चलेगी

जयपुर | रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड ने पैरामेडिकल पदों पर 1 हजार से ज्यादा भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। उम्मीदवारों के लिए आवेदन प्रक्रिया 17 अगस्त से शुरू की जाएगी।

ये भर्तियां डाइटिशियन, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, डेंटल हाइजीनिस्ट, ऑक्यूपेशनल थैरेपिस्ट, स्पीच थैरेपिस्ट, ईसीजी टेक्निशियन, फील्ड वर्कर, ऑप्टोमेट्रिस्ट टेक्निशियन, रेडियोग्राफर, टेक्निशियन, लैबोरेट्री असिस्टेंट आदि पदों पर की जाएंगी। आवेदन की आखिरी तारीख 16 सितंबर है। आवेदक के लिए शैक्षणिक योग्यता संबंधित विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री या डिप्लोमा होना है। आयुसीमा 18 से 43 वर्ष के बीच होगी। चयन प्रक्रिया सीबीटी परीक्षा, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन तथा मेडिकल टेस्ट के आधार पर होगा। आरक्षित वर्ग को छूट नियमानुसार दी जाएगी।

# 167 केन्द्रों पर होगी राजस्थान बोर्ड की पूरक परीक्षा

**कासं/अजमेर।** राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की सैकण्डरी और सीनियर सैकण्डरी की पूरक परीक्षा 12 अगस्त से प्रदेशभर के 167 केन्द्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा तीन दिन तक चलेगी। बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि बुधवार को सभी 167 केन्द्रों पर परीक्षा सामग्री रवाना कर दी गई है। पूरक परीक्षा के परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र भी जारी कर दिए हैं। परीक्षार्थी बोर्ड की वेबसाइट से अपने रोल नम्बर के आधार पर प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर संबंधित शाला प्रधान से मोहर लगवाएं। पूरक परीक्षा में 35 हजार 813 परीक्षार्थियों को पंजीकृत किया गया है। इनमें सीनियर सैकण्डरी के 7 हजार 494 परीक्षार्थी सम्मिलित हैं। कला संकाय में 6 हजार 235, वाणिज्य संकाय में 117 और विज्ञान संकाय में 1 हजार 142 परीक्षार्थी हैं। जबकि सैकण्डरी के 27 हजार 79 परीक्षार्थी हैं। वरिष्ठ उपाध्याय के 95, प्रवेशिका के 348 और स्पेशल (मूक-बधिर) 79 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

दैनिक भास्कर
जयपुर 08-08-2024

**कुश्ती में हताशा** • 12 घंटे में छूट गया मेडल; सिल्वर कंफर्म होने के बाद विनेश फोगाट अयोग्य घोषित

# जीत की जिद में वेट कटिंग; जान भी जा सकती है

## 'वेट-कटिंग' के बावजूद 100 ग्राम ज्यादा रहा विनेश का वजन

भास्कर न्यूज | पेरिस

पेरिस ओलिंपिक में 50 किग्रा वर्ग का सेमीफाइनल जीतकर पहलवान विनेश फोगाट ने देश का जो सिल्वर पक्का किया था और गोल्ड की उम्मीद जगाई थी, वह बुधवार को 12 घंटे में टूट गई। फाइनल की सुबह के वजन चेक में विनेश का वेट तय मानकों से लगभग 100 ग्राम ज्यादा निकला। इसके बाद उन्हें अयोग्य करार देते हुए फाइनलिस्ट से सीधे अंतिम स्थान पर कर दिया। क्यूबा की जिस पहलवान लोपेज को सेमीफाइनल में विनेश ने हराया था, उसे फाइनल में मौका मिला।

विनेश का वजन तय मानकों से अधिक होना कुश्ती में कोई नई बात नहीं है। बॉक्सिंग, कुश्ती या मार्शल आर्ट्स जैसे कॉम्बैट स्पोर्ट्स में खिलाड़ी अपने सामान्य वजन से कम वेट कैटेगरी में उतरना पसंद करते हैं, ताकि अपने से हल्के विरोधी पर हावी हो सकें। हालांकि, वेट कटिंग यानी वजन घटाना काफी मुश्किल काम माना जाता है। इससे बॉडी में पानी कम हो जाता है और वजन गिर जाता है। कई बार खिलाड़ियों को वजन चेक वाले दिन से पहले एक दिन में 6-7 किलो वजन घटाने तक की नौबत आ जाती है। इसके लिए वे गर्मी में कसरत करते हैं व कई बार डिहाईड्रेशन का शिकार हो जाते हैं। साल 1997 में अमेरिकी कॉलेजों की स्पर्धा में 3 अमेरिकी पहलवानों ने शरीर में से जरूरत से ज्यादा पानी खो दिया था। शरीर से इतना पानी निकल गया कि बॉडी एकदम ठंडी पड़ने से उन्हें हार्टअटैक आ गया व किडनी ने काम करना बंद कर दिया था।

ओलिंपिक खेलगांव के पॉलीक्लिनिक में भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने विनेश से मुलाकात की।

## विनेश पहले 53 किग्रा कैटेगरी में उतरती थीं, पेरिस में पहली बार 50 किग्रा खेलीं

विनेश टोक्यो ओलिंपिक 2020 से पहले से ही 53 किग्रा में खेलती रही हैं और पेरिस ओलिंपिक में ही 50 किग्रा में उतरी थीं। जाहिर तौर पर उनके लिए वेट कटिंग अहम थी। शुरुआती राउंड्स से पहले उनका वजन 50 किलो से कम था और अगले दिन के परीक्षण से पहले उन्होंने रूटीन वेट कटिंग शुरू कर दी, लेकिन एक समय पर उनकी बॉडी ने पसीना छोड़ना तक बंद कर दिया। इसका अर्थ था कि उनकी बॉडी में अब घटाए जा सकने योग्य द्रव्य पूरी तरह से खत्म हो चुके थे। इस स्टेज पर चेकिंग में उनका वजन तय मानकों से 100 ग्राम ज्यादा था।

## वेट कटिंग क्यों करते हैं: ताकि पहलवान कम वजन वाले खिलाड़ी से भिड़ सके

• फिजियोथैरेपिस्ट डॉक्टर मुनेश कुमार के मुताबिक, कॉम्बैट स्पोर्ट में वेट का ही खेल है। रूस के कई खिलाड़ी वजन करवाने के समय तो 57 किलो के होते हैं और मैच तक उनका वजन 64-65 किलो हो जाता है। खिलाड़ी सामान्य वजन से कम कैटेगरी में फाइट करते हैं क्योंकि जीतने की संभावना ज्यादा होती है।

• इससे निपटने के लिए आयोजकों ने रोजाना वजन चेक करना शुरू किया है ताकि प्रतियोगिता बराबरी की हो। लगभग सभी प्रतियोगी लोअर वेट कैटेगरी में फिट होने के लिए इवेंट से पहले वेट कटिंग का सहारा लेते हैं। टूर्नामेंट से एक दिन पहले ये खिलाड़ी औसतन एक-डेढ़ किलो ज्यादा होते हैं और वे इसे आसानी से घटा लेते हैं। वजन बढ़ाने में ज्यादा मुश्किल होती है।

> जब वेट कट करना होता है तो आप सो भी नहीं सकते। खाना-पीना छू नहीं सकते। एक पहलवान ही बता सकता है कि उसे किन चीजों से गुजरना पड़ता है। कई बार ऐसा होता है कि पहलवान को चक्कर आ सकता है और वह गिर सकता है। कई बार आप इतने थक जाते हैं कि आपको पता ही नहीं चलता कि आपके आस-पास क्या हो रहा है।
>
> **-रवि दहिया,** 61 किलो के हैं (57 किग्रा में लड़ते हैं)

> मैं किसी बॉक्सर या पहलवान को एकदम गर्म जैकेट में भागते हुए देखता हूं तो सोचता हूं कि वे अपने शरीर का कितना नुकसान कर रहे हैं।
>
> **- विकास कृष्ण यादव,** 75 किग्रा (60 किग्रा में भाग लेते हुए अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं)

> मुझे वेट कट करने की तुलना में प्रतिस्पर्धा अधिक आसान लगती है। भले ही मुझे दो बाउट ज्यादा लड़नी पड़ जाएं, लेकिन वेट कट नहीं करना पड़े, मैं वो ज्यादा पसंद करूंगी। वेट कटिंग से दिमाग काम करना बंद कर देता है।
>
> **-अंशु मलिक** (61 किग्रा से 57 किग्रा में फाइट करने लगीं)

## केन्या की रनर को अपील करने पर मिला सिल्वर

5000 मी में केन्या की किपयेगॉन ने सिल्वर जीता। जीत के बाद उन्हें रेस में इथोपिया की सेगे को टक्कर मारने के लिए डिस्क्वालिफाई कर दिया। केन्या ने अपील की। विजेता चेबेट ने बताया कि सेगे ट्रैक पर आ गई थीं और उन्हें हटाने के लिए किपयेगॉन ने हाथ मारा था। फिर किपयेगॉन को सिल्वर दे दिया गया।

# देशभर में 600 से ज्यादा बी-स्कूलों में मिलेगा दाखिला 20 हजार से अधिक सीटों पर प्रवेश का मौका

## एमबीए और पीजीडीएम पाठ्यक्रम और परीक्षा के लिए आवेदन की पहल

**ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर।** देशभर में 600 से ज्यादा बी-स्कूलों में दाखिला मिलेगा। इन स्कूलों में 20 हजार से अधिक सीटों पर प्रवेश का मौका दिया जाएगा। इसकी एमबीए और पीजीडीएम पाठ्यक्रम और परीक्षा के लिए आवेदन की पहल अभी चल रही है। अखिल भारतीय प्रबंधन संघ मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट-2024 के लिए पंजीकरण इंटरनेट आधारित टेस्ट (आईबीटी) की 9 अगस्त तक है और कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) के लिए अंतिम तिथि 11 अगस्त, 2024 है। इन बी-स्कूलों में दिल्ली स्कूल ऑफ बिजनेस (वीआईपीएस-टीसी), (नई दिल्ली), बिमटेक (नोएडा), जिमे (कोच्चि), कलकत्ता बिजनेस स्कूल (कोलकाता), डॉ.

डीवाई पाटिल बी स्कूल, (पुणे) और एनईआरआईएम ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस (गुवाहाटी) के टॉप संस्थान भी शामिल है।

**शैक्षणिक प्रवेश की अंतिम तिथि 15 सितंबर:** एआईसीटीई के दिशा-निर्देशों के अनुसार पीजीडीएम के लिए वर्तमान शैक्षणिक प्रवेश के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि 15 सितंबर है। आवेदन शुल्क 2100 है। उम्मीदवार 1500 का अतिरिक्त शुल्क देकर अतिरिक्त परीक्षा मोड का विकल्प चुन सकते हैं।

**पात्रता के यह होंगे नियम:** किसी भी विषय में स्नातक और स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष के छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। पीबीटी (पेपर-आधारित टेस्ट): परीक्षा की तिथि 25 अगस्त है, पंजीकरण की अंतिम तिथि 18 अगस्त है। सीबीटी (कम्प्यूटर आधारित टेस्ट): परीक्षा की तिथि 18 अगस्त है, पंजीकरण की अंतिम तिथि 11 अगस्त है। आईबीटी-1 (इंटरनेट आधारित टेस्ट): परीक्षा की तिथि 14 अगस्त है, पंजीकरण की अंतिम तिथि 9 अगस्त है। आईबीटी-2: परीक्षा तिथि 23 अगस्त, पंजीकरण की अंतिम तिथि 18 अगस्त है।

# राजस्थान संयुक्त प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी

**परीक्षार्थियों का स्कोर कार्ड भी हुआ जारी**

**ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर।** कृषि विश्वविद्यालय ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेट) परिणाम घोषित कर दिया है। राजस्थान जेईटी परिणाम अब आधिकारिक वेबसाइट जेट 2024 पर उपलब्ध है। परीक्षा में भाग लेने वाले उम्मीदवार अपने परिणाम देख सकते हैं। जेईटी, प्री-पीजी, पीएचडी प्रवेश परीक्षा 2 जून, 2024 को हुई। नतीजों के साथ राजस्थान जेईटी 2024 स्कोरकार्ड भी जारी कर दिया गया है।

## हेल्थ कार्टून

@WHAATAWORLD

### लंबे समय तक बने रहने वाले तनाव से तेजी से झड़ते हैं बाल

हार्वर्ड स्टेम सेल इंस्टीट्यूट के अनुसार लंबे समय तक बना रहने वाला तनाव बालों के उगने वाले स्थल (कूप) के स्ट्रक्चर को प्रभावित करता है। इससे बालों का झड़ना बढ़ता है। साथ ही तनाव विशेष प्रकार की कोशिकाओं पर असर डालता है जो बालों की ग्रोथ को रोकती हैं।

**लिवर की सेहत** • देश में 35% बच्चे भी फैटी लिवर की समस्या से पीड़ित

# डायबिटीज के 50% रोगियों को फैटी लिवर, 10% वजन घटाने से फायदा

डॉ. अजय कुमार जैन
विभागाध्यक्ष पेट व लिवर रोग, चोइथराम अस्पताल, इंदौर

**फैटी** लिवर तेजी से बढ़ती हुई समस्या है। दिल्ली एम्स के एक अध्ययन के मुताबिक देश में लगभग 38% लोगों को किसी न किसी स्तर का फैटी लिवर है, चिंता की बात यह है कि शराब न पीने वालों में भी तेजी से यह समस्या बढ़ रही है। लगभग 35% भारतीय बच्चे भी इसका शिकार हैं। इसका प्रमुख कारण खराब लाइफस्टाइल है। फैटी लिवर जानने का सबसे बेहतरीन तरीका फाइब्रो स्कैन के साथ सामान्य अल्ट्रासाउंड है। आज जानिए ऐसे उपायों के बारे में जो फैटी लिवर की समस्या से बचा सकते हैं।

## सबसे पहले फैटी लिवर की समस्या को समझिए

### फैटी लिवर क्या?

• **लिवर में 10% से अधिक फैट तो फैटी लिवर**

स्वस्थ लिवर का वजन 1200 से 1500 ग्राम होता है। इस पर इसके कुल वजन का 10 प्रतिशत से ज्यादा फैट ही फैटी लिवर है। गलत खान-पान, एक्सरसाइज की कमी, शराब इसके सबसे बड़े कारण है।

### फैटी लिवर के लक्षण क्या हैं?

• **भूख, वजन का घटना, एनर्जी की कमी**

पेट में ऊपर की ओर दाईं ओर दर्द रहना, यूरिन का लगातार पीला रहना, भूख न लगना, वजन का लगातार कम होना, शरीर में खुजली होना इसके प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं। इसके अलावा शरीर में एनर्जी का कम होना भी लिवर की समस्या का संकेत हो सकता है। दरअसल फैटी लिवर से पीड़ित लोगों में मांसपेशियां 30 से 40 फीसदी ज्यादा ऑक्सीजन का उपयोग करती हैं। ऐसे में पीड़ित में ऑक्सीजन की कमी रहती है। यही कमी शरीर में ऊर्जा की कमी का कारण बनती है।

### फैटी लिवर से नुकसान क्या हैं?

• **डायबिटीज बड़ा खतरा, लिवर फेलियर भी**

लिवर ही इंसुलिन को रेगुलेट करता है, लेकिन जब लिवर फैटी हो जाता है तो उसकी कार्य प्रणाली प्रभावित होती है, जिससे इंसुलिन रेगुलेशन प्रभावित होता है। ऐसे में डायबिटीज का खतरा सबसे ज्यादा होता है। वहीं फैटी लिवर से उसमें घाव, सिरोसिस या लिवर फेलियर की समस्या तक हो सकती है।

## लिवर को सेहतमंद रखेंगे ये तीन कारगर उपाय

### 10% तक वजन घटाएं, लाभ तय

अधिक वजन फैटी लिवर का सबसे बड़ा कारण है। शोध बताते हैं कि यदि ओवरवेट लोग 10 प्रतिशत तक वजन घटा लेते हैं तो इससे फैटी लिवर के शिकार 90 प्रतिशत लोगों को निश्चित रूप से आराम मिलता है। हालांकि वजन घटाने के बाद उसे नियंत्रित रखना जरूरी है।

### अधिक दवाओं का लिवर पर असर

वर्तमान में दवाओं का अधिक सेवन भी लिवर को नुकसान का बड़ा कारण बन रहा है। छोटी-छोटी शारीरिक समस्याओं पर भी लोग तुरंत दवाएं ले लेते हैं। इसका सीधा असर आपके लिवर पर पड़ता है। इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह लिए किसी भी तरह की दवा न लें।

### रोज 30 से 45 मिनट एक्सरसाइज

भोजन पचने के बाद ग्लूकोज में बदलता है जब हम एक्सरसाइज नहीं करते हैं तो इस ग्लूकोज को लिवर फैट में बदल कर इकट्ठा करने लगता है। इससे मोटापा और फैटी लिवर की समस्या बढ़ती है। ऐसे में अच्छी तरह वार्मअप करने के बाद रोज 30 से 45 मिनट एक्सरसाइज जरूर करें।

# आरपीएससी ने घोषित की 6 परीक्षाओं की तिथियां

## अगले साल 17 अगस्त से 12 अक्टूबर तक होंगी 1162 पदों के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं

कासं/अजमेर

राजस्थान लोक सेवा आयोग ने 6 विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के 1162 पदों के लिए परीक्षा तिथियां जारी कर दी हैं। इन परीक्षाओं का आयोजन अगले वर्ष 2025 में 17 अगस्त से 12 अक्टूबर तक किया जाएगा।

आयोग सचिव ने बताया कि एनालिस्ट कम प्रोग्रामर/उपनिदेशक प्रतियोगी परीक्षा 2024 का आयोजन 17 अगस्त 2025 को किया जाएगा। यह परीक्षा 45 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की अवधि 16 जुलाई से 14 अगस्त 24 है। भूवैज्ञानिक प्रतियोगी परीक्षा-2024 एवं सहायक खनि अभियंता प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 31 अगस्त 2025 को किया जाएगा। यह परीक्षा भू वैज्ञानिक के 32 पद और सहायक खनि अभियंता के 24 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की अवधि 22 जुलाई से 20 अगस्त 24 है। संरक्षण अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 7 सितम्बर 2025 को किया जाएगा। यह परीक्षा संरक्षण अधिकारी के 4 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की अवधि 29 जुलाई से 27 अगस्त 24 है। सहायक अभियंता संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 28 सितम्बर 2025 को किया जाएगा। यह परीक्षा 1014 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की अवधि 14 अगस्त से 12 सितम्बर 24 है। इसी तरह सहायक सांख्यिकी अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 12 अक्टूबर 2025 को किया जाएगा। यह परीक्षा 43 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की अवधि 12 अगस्त से 10 सितम्बर 24 है।

दैनिक भास्कर
जयपुर 08-08-2024

**नीरज से आशा** • जैवलिन थ्रो का फाइनल आज रात 11.55 बजे से; हॉकी में भी उम्मीद

# सुनहरा कर दो हमारा ओलिंपिक

## नीरज जीते तो गोल्ड बचाने वाले 5वें जैवलिन थ्रोअर होंगे

भास्कर न्यूज | पेरिस

गुरुवार को जब नीरज चोपड़ा फील्ड पर उतरेंगे, तो सभी देशवासियों की उनसे एक ही मांग होगी कि नीरज पेरिस में भारत का गोल्ड का सूखा खत्म करो। जैवलिन थ्रोअर नीरज से उम्मीद इसलिए भी है क्योंकि वे टोक्यो गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट हैं। उन्होंने मंगलवार को क्वालिफिकेशन में 89.34 मीटर थ्रो कर सीजन का बेस्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले प्रयास में ही फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया था। हालांकि, नीरज के लिए गोल्ड बचाना आसान नहीं होगा, क्योंकि टोक्यो की तुलना में इस बार थ्रोअर की क्वालिटी बेहतर है। 84 मी का डायरेक्ट क्वालिफिकेशन मार्क 9 ने पार किया था जबकि टोक्यो में यह संख्या 6 थी। इन 9 में से 5 की पहली थ्रो ही उनकी बेस्ट थी। अगर नीरज जीतते हैं तो ओलिंपिक में जैवलिन थ्रो का गोल्ड बचाने वाले सिर्फ पांचवें खिलाड़ी बन जाएंगे।

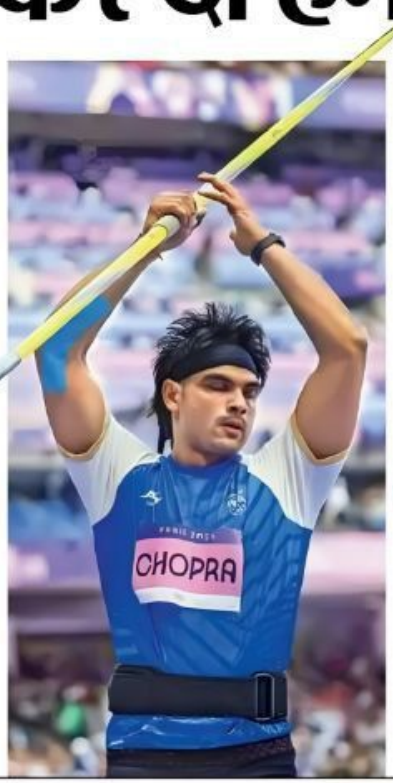


### हॉकी: जीते तो 1972 के बाद लगातार दो ब्रॉन्ज

सेमीफाइनल में जर्मनी के खिलाफ मिली हार को भूलकर भारतीय हॉकी टीम गुरुवार को ब्रॉन्ज मेडल प्लेऑफ में उतरेगी। उसका शाम 5.30 बजे से स्पेन के खिलाफ मुकाबला होगा। अगर भारत जीता तो यह उसका लगातार दूसरा ब्रॉन्ज होगा। टीम ने टोक्यो गेम्स में जर्मनी को हराकर ब्रॉन्ज अपने नाम किया था। भारत ने इससे पहले हॉकी में लगातार दो ब्रॉन्ज 1968 और 1972 में जीते थे।

### टेबल टेनिस: हमारी महिला टीम का अभियान खत्म

भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम का अभियान क्वार्टर फाइनल में थम गया। भारतीय टीम को जर्मनी ने 3-1 से शिकस्त दी। इसी के साथ पेरिस ओलिंपिक में टेबल टेनिस में हमारी चुनौती खत्म हो गई। सिर्फ अर्चना कामत अपना मैच जीत सकीं।

### रेसलिंग: पंघाल टर्किश विरोधी से एकतरफा हारीं

रेसलिंग में भारत की एक अन्य उम्मीद अंतिम पंघाल को एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। 53 किग्रा में तुर्किए की येतगिल जेनेप ने अंतिम पंघाल को 10-0 से चित किया। अंतिम पहले राउंड में 101 सेकंड में ही हार गईं। अगर जेनेप फाइनल में पहुंचती हैं तो अंतिम के पास रेपचेज राउंड का मौका रहेगा।

### एथलेटिक्स: अन्नु ने किया निराश, याराजी रेपचेज में

जैवलिन थ्रोअर अन्नु रानी ने निराश किया और वे 55.81 मीटर की बेस्ट थ्रो के साथ अपने ग्रुप में 16 प्रतिद्वंद्वियों में 15वें पर रहीं। वे ओवरऑल 26वें नंबर पर रहकर फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकीं। वहीं, 100 मीटर की हर्डलर ज्योति याराजी हीट में सातवें पर रहकर सीधे सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकीं। अब वे रेपचेज में उतरेंगी।

---

## नसीम की एक साल बाद वापसी, बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट खेलेंगे

एजेंसी | कराची

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बांग्लादेश के खिलाफ 21 से होने वाली दो मैच की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 17 सदस्यीय टीम घोषित की। तेज गेंदबाज नसीम शाह की एक साल बाद वापसी हुई है। शान मसूद की अगुवाई वाली टीम में स्पिनर कामरान गुलाम, पेसर मोहम्मद

अली, बल्लेबाज मोहम्मद हुरैरा को शामिल किया है। हसन अली और मो. वसीम को चोट की वजह से शामिल नहीं किया गया है। **टीम:** शान मसूद, सॉद शकील (उपकप्तान), आमेर जमाल (फिटनेस के आधार पर), शफीक, अबरार अहमद, बाबर, कामरान गुलाम, खुर्रम शहजाद, मीर हमजा, मो. अली, मुहम्मद हुरैरा, रिजवान (विकेटकीपर), नसीम, सईम अयूब, आगा सलमान, सरफराज (विकेटकीपर), शाहीन।

## बोर्ड ने अंडर-19 नियमों में बदलाव किया

## बोन टेस्ट में फेल होने के बाद भी 3 साल तक खेल सकेंगे क्रिकेटर

भास्कर न्यूज | मुंबई

बीसीसीआई ने अगले सत्र के लिए अंडर-19 क्रिकेटर्स की भागीदारी के नियमों में बदलाव किए हैं। उन्होंने खिलाड़ियों की उम्र के मद्देनजर नियमों में दो संशोधन किए हैं। 16 साल की उम्र में हुए हड्डियों के टेस्ट में फेल होने के बाद भी खिलाड़ियों को 3 साल के लिए टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, यह सिर्फ तब होगा, जब बर्थ सर्टिफिकेट उनके जन्म के दो साल के भीतर बना हो। पहले खिलाड़ी टेस्ट फेल करने पर केवल 2 साल ही खेल सकते थे। जिन खिलाड़ियों का जन्म प्रमाण पत्र उनके जन्म से दो साल के अंदर रजिस्टर्ड होगा, उनको तीन साल के लिए इस कैटेगरी में खेलने को मिलेगा। नियम में संशोधन से पहले खिलाड़ी 2 साल तक ही खेल सकते थे।

## अफगान प्लेयर जनत पर फिक्सिंग के कारण पांच साल का प्रतिबंध

भास्कर न्यूज | काबुल

अफगानिस्तान के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज इहसानुल्लाह जनत पर भ्रष्टाचार के कारण 5 साल का प्रतिबंध लगाया गया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि जनत ने आईसीसी और अफगान बोर्ड के नियमों का उल्लंघन किया है। वह 4 से 14 जून तक हुई काबुल प्रीमियर

लीग में फिक्सिंग करते पाए गए। जांच के बाद जनत ने फिक्सिंग करने का अपराध कबूल किया। वहीं, तीन अन्य खिलाड़ियों के भी इन गतिविधियों में शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। 25 साल के जनत काबुल प्रीमियर लीग में शमशाद ईगल्स के लिए खेल रहे थे। उन्होंने चार मुकाबलों में 18 के स्ट्राइक रेट से महज 72 रन बनाए थे। टीम ने लीग में केवल एक जीत के साथ आखिरी स्थान पर फिनिश किया था। काबुल जाल्मी ने लीग जीती थी।

# आरयूएचएस में असिस्टेंट प्रोफेसर सहित अन्य फैकल्टी की भर्ती होगी निरस्त

**ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर।** बरसों से नौकरी का इंतजार कर रहे डॉक्टरों को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। दरअसल राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय आरयूएचएस में असिस्टेंट प्रोफेसर समेत अन्य फैकल्टी की भर्ती निरस्त होगी। यह निर्णय आरयूएचएस बोर्ड की मीटिंग में लिया गया है। कार्यवाहक वीसी डॉ. धनंजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में असिस्टेंट प्रोफेसर के 74 पदों के लिए हुई भर्ती परीक्षा के अलावा, प्रोफेसर के 29 व एसोसिएट प्रोफेसर के 45 पदों की भर्ती निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। हालांकि यह पता चला है कि बैठक में भर्तियों को लेकर अलग अलग तथ्य सामने आए थे। बैठक में जो निर्णय लिया गया, उसे राज्य सरकार को भिजवाया जाएगा और वहां से जैसी अनुमति प्राप्त होगी, उसी के हिसाब से भर्तियों पर आगे बढ़ा जाएगा। गौरतलब है कि वर्ष 2014 में पहली और आखिरी बार हुई आरयूएचएस में 48 मेडिकल टीचर्स भर्ती किए गए थे।

**बरसों से नौकरी का इंतजार कर रहे डॉक्टर्स को बड़ा झटका**